>

Title: Need to send a central team to assess the damage caused by flood in Bihar.

**श्रीमती मीना सिंह (आरा) :** मैडम, मैं आपकी आभारी हूं, आपने मुझे बाढ़ से उत्पन्न स्थिति पर बोलने का मौका प्रदान किया है। समय से वर्षा न होने के कारण आधा बिहार सूखे से प्रभावित है। ...(व्यवधान) किसानों ने किसी प्रकार पम्पिंग सेट चलाकर धान की खेती की थी, वह गंगा, सोन, पुनपुन एवं घाघरा आदि नदियों में आयी बाढ़ के कारण पूर्णतः नष्ट हो गयी है। मेरे संसदीय क्षेत्र आरा के छः प्रखण्ड- शाहपुर, बिहिया, बढैरा, कोइलवर, आरा सदर एवं उदवंतनगर बाढ़ की चपेट में हैं। ...(व्यवधान) जिससे सैकड़ों गांवों के लाखों आबादी प्रभावित है। बाढ़ के कारण वहां की जनता का जीवन अस्त-व्यस्त हो गया है। इन प्रखण्डों का जिला मुख्यालय से सम्पर्क टूट गया है। ...(व्यवधान) हजारों हेक्टेयर की भूमि में लगे किसानों की फसल बर्बाद हो गयी है। दर्जनों लोग बाढ़ के पानी में डूबकर मर गये हैं। बाढ़ के कारण वहां के लोग अपना घर छोड़कर बांध पर अपना जीवन बसर कर रहे हैं। आज के दिन यदि कोई महिला या पुरुष बीमार पड़ जाता है, तो उसे खाट पर या नाव पर लेटाकर हॉस्पीटल ले जाया जाता है। ...(व्यवधान) मवेशी चारे के बिना मर रहे हैं। वहां बाढ़ समाप्त होने के बाद भयंकर महामारी फैलने की संभावना है। बिहार सरकार राहत पहुंचाने के लिए अपने साधनों से हर संभव प्रयास कर रही है। ...(व्यवधान) इसके लिए मैं बिहार सरकार एवं भोजपुर के प्रशासन को धन्यवाद देती हूं। परन्तु केन्द्र सरकार के सहयोग के बिना इस आपदा को झेल पाना मुश्किल है। ...(व्यवधान) अतएव, मैं आपके माध्यम से कृषि मंत्री जी से मांग करती हूं कि यथाशीघ्र केन्द्रीय टीम को बिहार भेजकर इस आपदा से हुई क्षति का जायजा लिया जाए एवं केन्द्र सरकार की तरफ से बिहार सरकार को हर आवश्यक सहयोग दिलाया जाए ताकि वह जनता के लिए ज्यादा से ज्यादा राहत एवं पुनर्वास की व्यवस्था कर सके। ...(व्यवधान)

**श्री पन्ना लाल पुनिया (बाराबंकी):** महोदया, मैं श्रीमती मीना सिंह द्वारा शून्यप्रहर में उठाये गये विषय से स्वयं को संबद्ध करता हूं।